ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

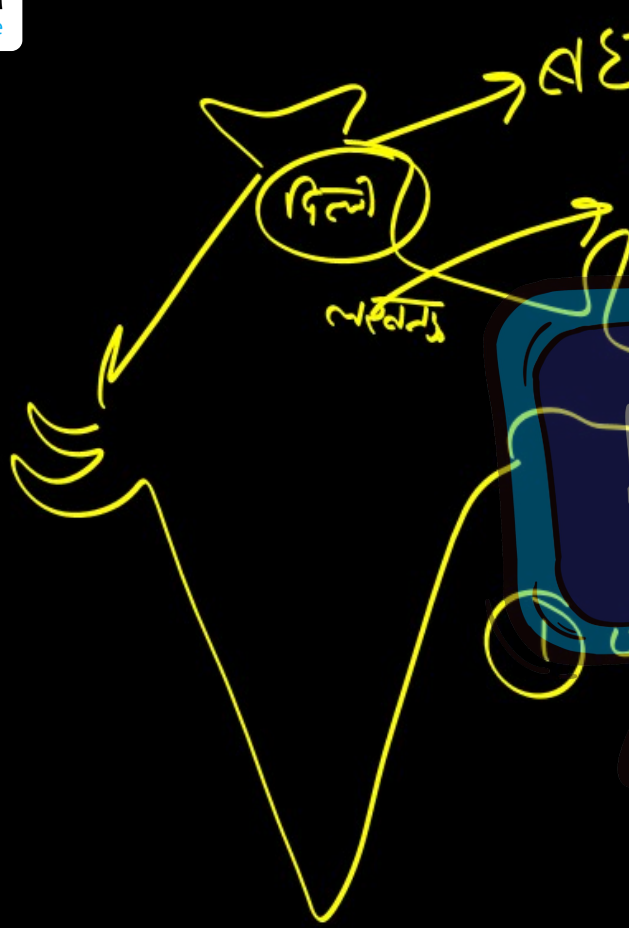
भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 6

प्रीतेश जोशी



1. बहुत सारे स्थानों पर विद्रोही सिपाहियों ने नेतृत्व संभालने के लिए पुराने शासकों से क्यों आग्रह किया ?

1857 की महान क्रांति

↓

भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

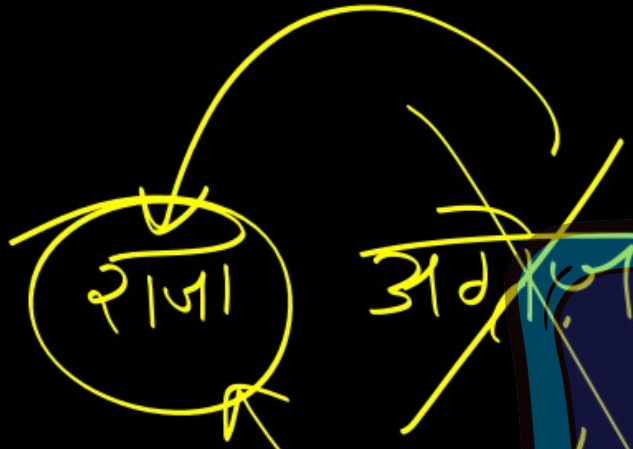
↓

तात्कालिक कारण – चर्बी वाले कारतूस

(एनफील्ड रायफल)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर : अंग्रेजों का सामना करने के लिए योग्य नेतृत्व और संगठन की आवश्यकता थी। योग्य नेतृत्व और संगठन के बिना विद्रोह का कुशलता पूर्वक संचालन नहीं किया जा सकता था।

विद्रोही सिपाहियों ने पुराने शासकों से नेतृत्व स्वीकार करने का आग्रह निम्नलिखित कारणों से किया –

1. विद्रोही सिपाही भारत से ब्रिटिश सत्ता को समाप्त करके देश में 18वीं शताब्दी से पूर्व की भारतीय व्यवस्था की पुनर्स्थापना करना चाहते थे।



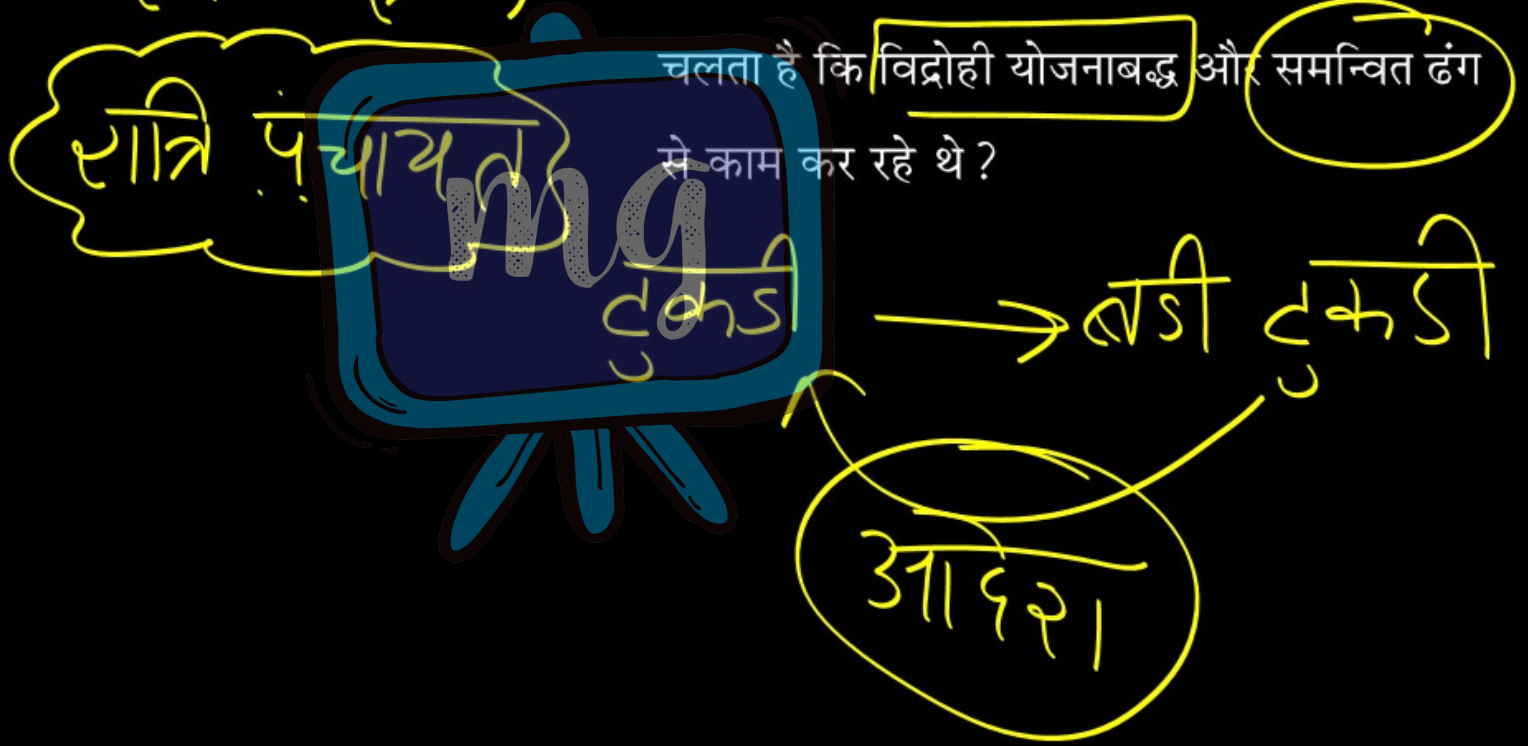
2. पुराने शासकों को विद्रोह का नेतृत्व प्रदान करके इसे विद्रोह को एक व्यापक जन विद्रोह बनाना चाहते थे।
3. पुराने शासकों को नेतृत्व और संगठन के क्षेत्र में अच्छा अनुभव था।
4. ब्रिटिश शासकों ने भारतीय राजघरानों का अपमान किया था और जन साधारण को अपने पुराने शासकों से पर्याप्त लगाव था।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोकतांत्रिक

2. उन साक्ष्यों के बारे में चर्चा कीजिए जिनसे पता चलता है कि विद्रोही योजनाबद्ध और समन्वित ढंग से काम कर रहे थे?

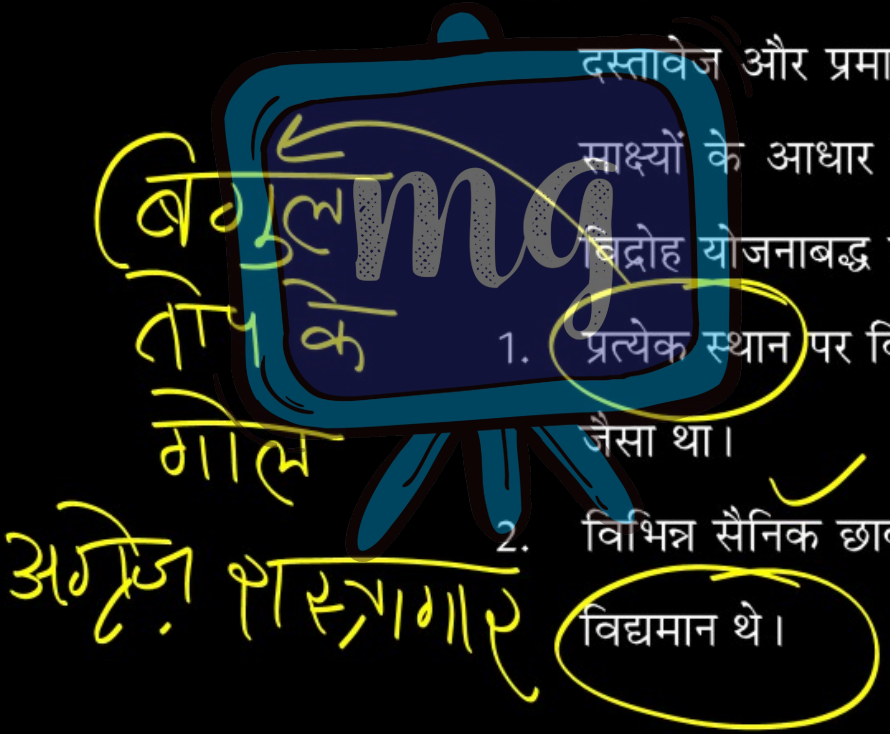


ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : इस बारे में जानने के लिए हमारे पास पर्याप्त दस्तावेज और प्रमाण नहीं है लेकिन फिर भी निम्न साक्ष्यों के आधार पर हम कह सकते हैं कि यह विद्रोह योजनाबद्ध तरीके से किया गया था –

1. प्रत्येक स्थान पर विद्रोह का घटनाक्रम लगभग एक जैसा था।
2. विभिन्न सैनिक छावनियों के मध्य संचार के साधन विद्यमान थे।



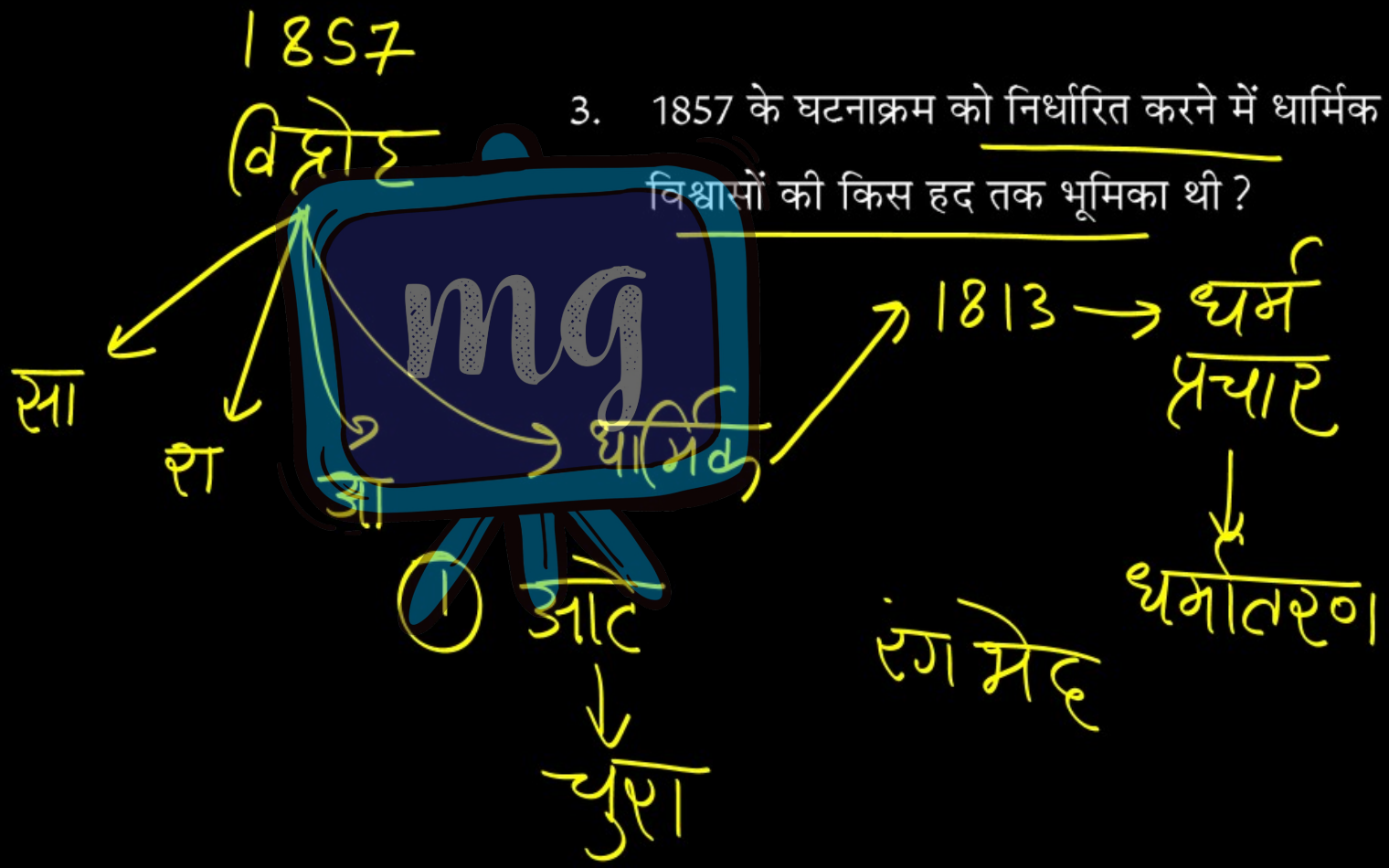
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

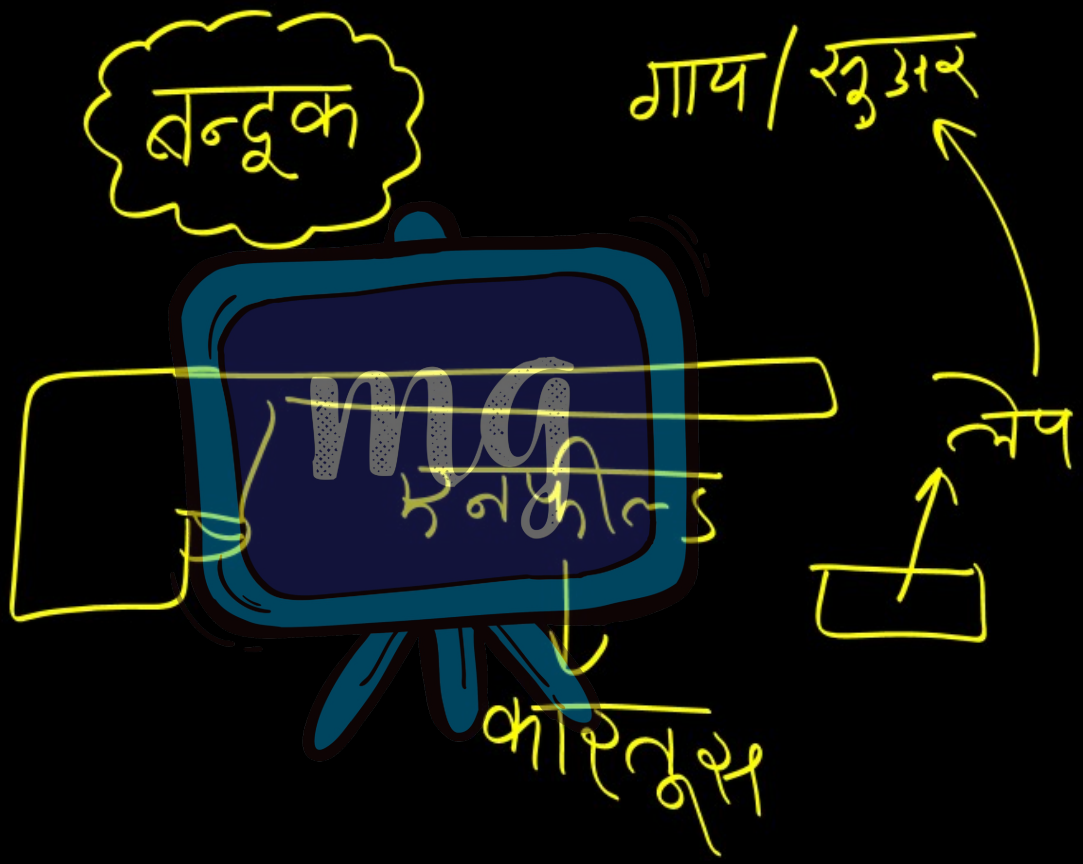
3. समकालीन साक्ष्यों के आधार पर रात के समय कानपुर सिपाही लाइनों में सैनिकों की सामूहिक पंचायतें होती थी और सामूहिक निर्णय लिये जाते थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी ?


बन्दूक
गाय/खुआर
टेप
कारतूस

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की अहम् भूमिका थी–

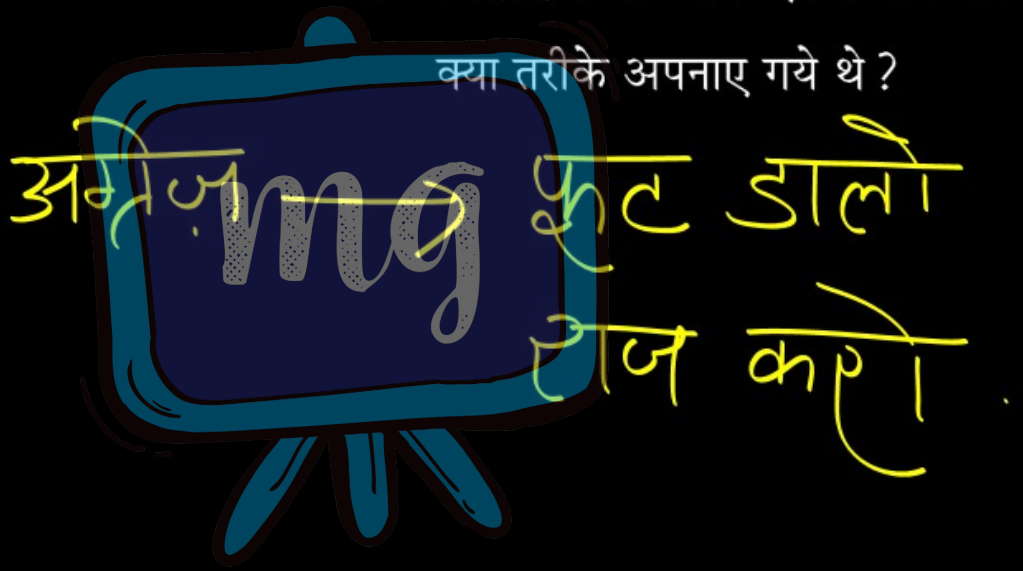
1. बैरकपुर में विद्रोह की प्रथम चिंगारी धार्मिक कारणों से ही भड़की थी। जब मंगल पाण्डे ने गाय व सुअर की चर्बी युक्त कारतूसों को छूने से इनकार कर दिया था।
2. मेरठ छावनी में भी 10 मई, 1857 को कमोबेश इसी कारण विद्रोह प्रारम्भ हुआ जब अंग्रेज अधिकारियों ने भारतीय सैनिकों को चर्बी लिपटे कारतूसों को मुंह से खेलने के लिए मजबूर किया।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

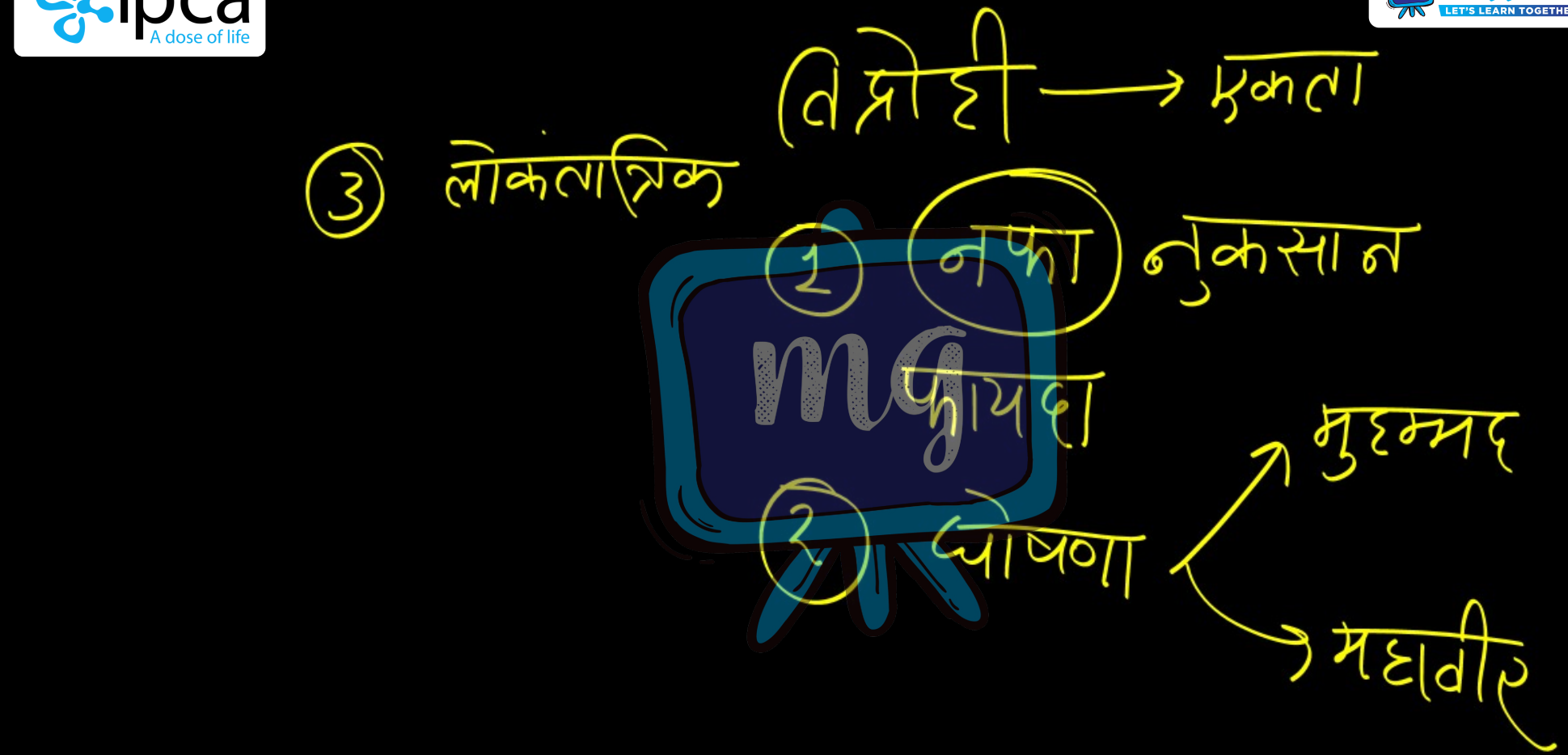
3. हिंदू और मुस्लमान सभी सैनिक अपने धर्म को भ्रष्ट होने से बचाने के तर्क के साथ दिल्ली में आये थे।
4. आमजन को विद्रोह में शामिल करने के लिए कई तरह की धार्मिक अफवाहें फैलाई जा रही थी, और लोग अफवाहों पर आसानी से विश्वास भी कर रहे थे।
5. लोगों में यह डर फैल गया था कि अंग्रेज हिन्दुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते थे।

4. विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गये थे ?



ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर : विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए निम्न तरीके अपनाये गये –

1. कारतूसों में गाय व सुअर की चर्बी या आटे में गाय व सुअर की हड्डियों का चूरा मिला होने की खबरें फैली। इन अफवाहों में गाय व सुअर शब्द एक साथ इस्तेमाल किया गया जिससे कि हिन्दु व मुसलमान दोनों में एकता बनी रहे और यह दिखाने का प्रयास किया गया किया गया कि इस युद्ध में हिन्दुओं और मुसलमानों दोनों का नफा-नुकसान बराबर है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दिल्ली
मुगल राज

2. हिन्दु और मुसलमानों ने मिलकर मुगल बादशाह को नेतृत्व स्वीकार करने के लिए सहमत किया ताकि विद्रोह को वैद्यता प्राप्त हो सके।
3. विद्रोहियों ने दोनों समुदायों में लोकप्रिय भाषाओं हिंदी, उर्दू और फारसी में अपीलें जारी की।
4. बादशाह के नाम से जारी की गयी घोषणा को मुहम्मद और महावीर दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया गया।

5. पुलिस लाइनों में रात में पंचायतें होती थी और विद्रोहियों के द्वारा सामूहिक रूप से फैसले लिये जाते थे।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1857 → विद्रोह

5. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?



1. मार्शल लॉ
   सैन्य प्रशासन
2. अंग्रेज → मुकदमा → सजा ए मौत
3. दास गाव
4. राजा → पद, क्षेत्र
5. जमींदार

mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये –

1. कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी। ब्रिटिश सैनिक कमाण्डर ही विद्रोही की सजा तय कर देते थे।

   विद्रोही की एक ही सजा होती थी –

   सजा-ए-मौत

2. समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. ब्रिटेन से हथियारों से लैंस नयी सैन्य टुकड़ियां बुलवायी गयी।
4. अंग्रेजों ने दिल्ली के सांकेतिक महत्व को समझते हुए दिल्ली पर दोतरफा हमला बोला। एक कोलकाता की ओर से और दूसरा पंजाब की ओर से।
5. अंग्रेजों ने कूटनीति का सहारा लेकर शिक्षित वर्ग और जमींदारों को विद्रोह से दूर रखा।
6. अंग्रेजों ने संचार के साधनों पर अपना पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा।